

विषुवत रेखा पर स्थित अफ्रीकी देश-

- साओ टोमे
- गैबोन
- कांगो
- कांगो गणतंत्र
- युगांडा
- केन्या
- सौमालिया

मकर रेखा पर अफ्रीकी देश-

- नामीबिया
- बॉत्स्वाना
- दक्षिण अफ्रीका
- मोजम्बीक
- मेशागास्कर



वायुमंडलीय सिद्धांत

वायुमंडल के तत्व-

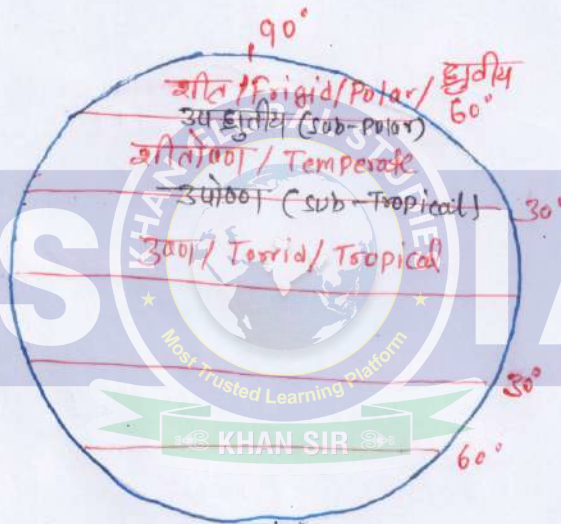
सतह के चारों ओर का गैसीय आवरण वायुमंडल कहलाता है।

$N_2 > O_2 > Ar > CO_2$ + परिवर्तनशील (प्रलवाण्य, धूल कण)

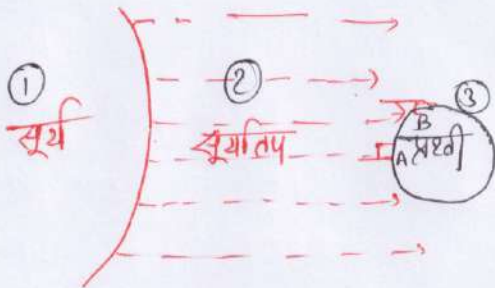
तत्व-

- तापमान (तापमापी) ($^{\circ}\text{C}/\text{F}$)
- वायुदाब (दाबमापी / बैरोमीटर) (मिलीबार / Atmosphere)
- आर्द्रता (हाइग्रोमीटर) (प्रतिशत)
- पवन - गतिशील वायु → डैक्टिष्क (वातदिग्दर्शी) दिशा X गति
- वायुधारा - गतिशील वायु → लेबल

पृथ्वी की तापीय पेशियां



तापमान वितरण के कारक -



- 1 - सूर्य से छुड़े कारक : सूर्यतिथ बदलता है - सौर कलेंडर सिद्धांत
- 2 - अंतरिक्ष से छुड़े कारक : पारदर्शिता $\rightarrow$ अंतरिक्ष धूल से प्रभावित
- 3 - पृथ्वी के वायुमंडल से छुड़े कारक : गैसीय मिश्रण $\rightarrow$ CO_2
- 4 - अक्षांशीय स्थिति $\rightarrow$ सूर्य की किरण का आपतन कोण $\rightarrow$ ऋतुवाण
- 5 - उच्चावच

पार्थिव विकिरण -

पृथ्वी से होने वाला विकिरण, जो वायुमंडल को नीचे से गर्म करता है।

विकिरण (Radiation) - ऊष्मा के हस्तांतरण के लिए माध्यम की जरूरत नहीं होती।

चालन (Conduction) - ऊष्मा का हस्तांतरण संपर्क के माध्यम से।

संवहन (Convection) - लम्बवत हस्तांतरण

अभिवहन (Advection) - क्षैतिजिक हस्तांतरण

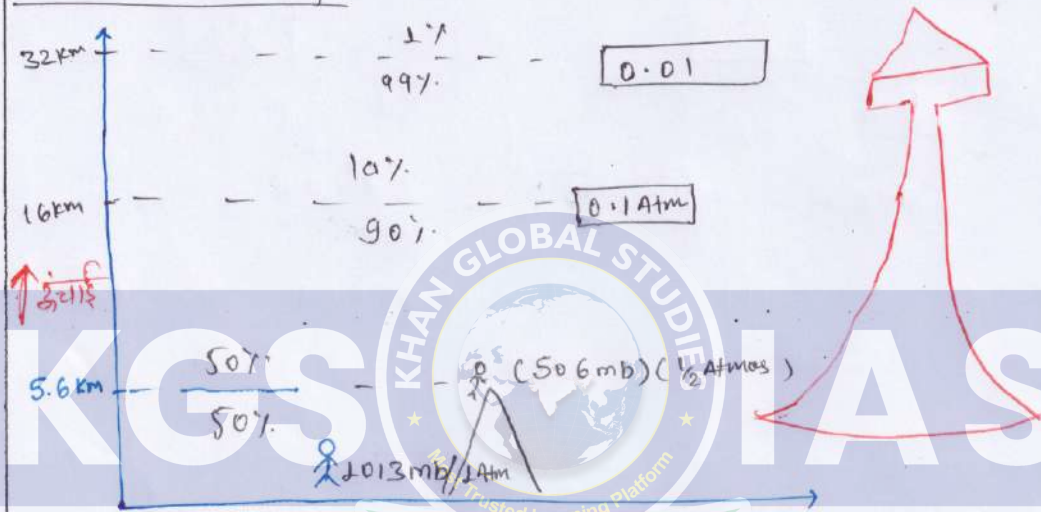
अन्य कारक

- $\rightarrow$ स्थल और जल की विषमता
- $\rightarrow$ पर्वतों और जलधारायें
- $\rightarrow$ वनस्पति आवरण
- $\rightarrow$ मिट्टी की प्रकृति
- $\rightarrow$ भूमि एवं अभिमुखता

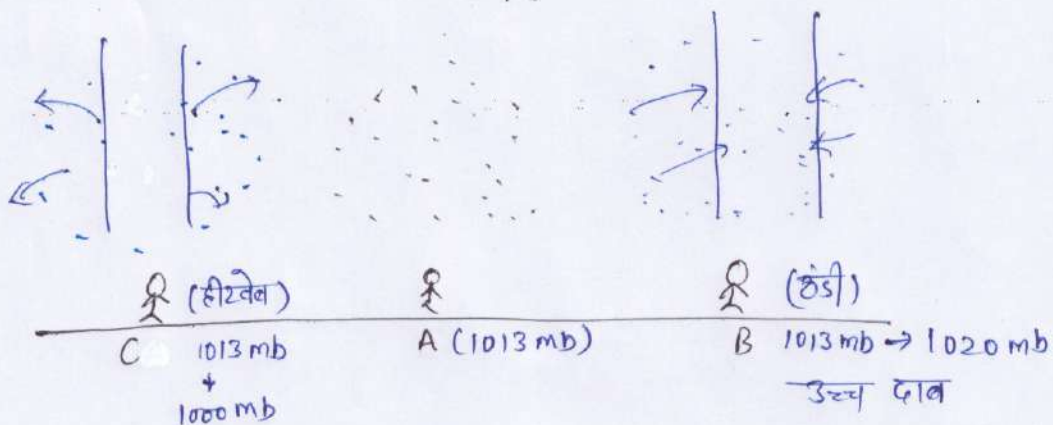
दाब घटियां व पतनें-

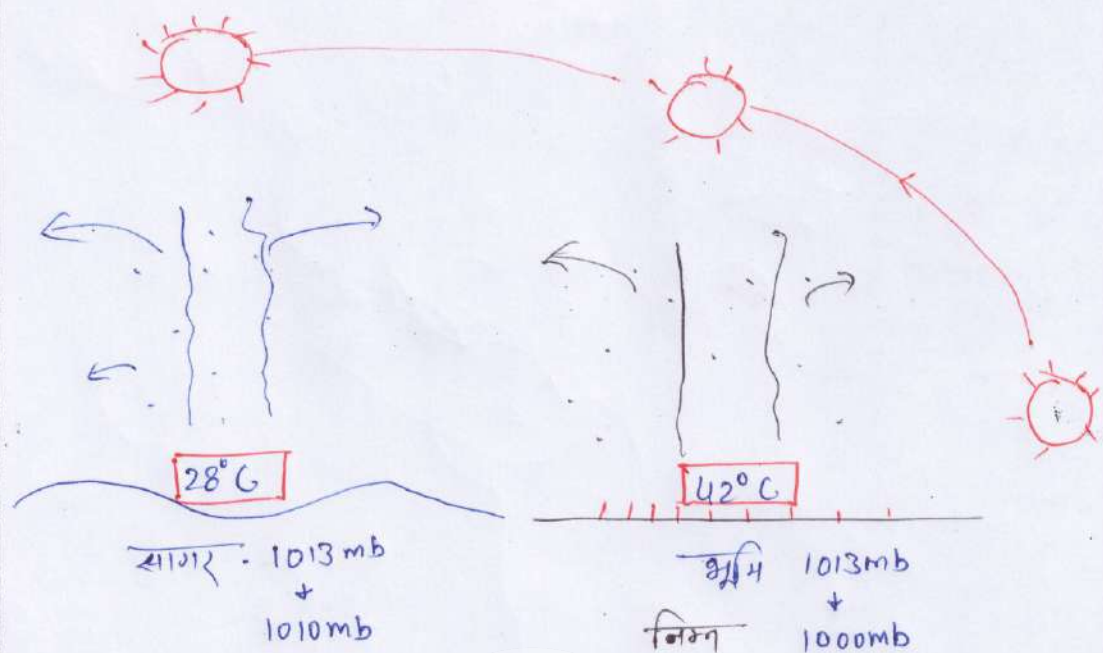
- पृथ्वी की सतह का औसत दाब 1013 mb / 1 वायुमंडल है।
- पृथ्वी की सतह का औसत तापमान 16°C है।
- ऊँचाई पर जाने पर दाब घटता जाता है।

जम्बूवत दाबान्तर

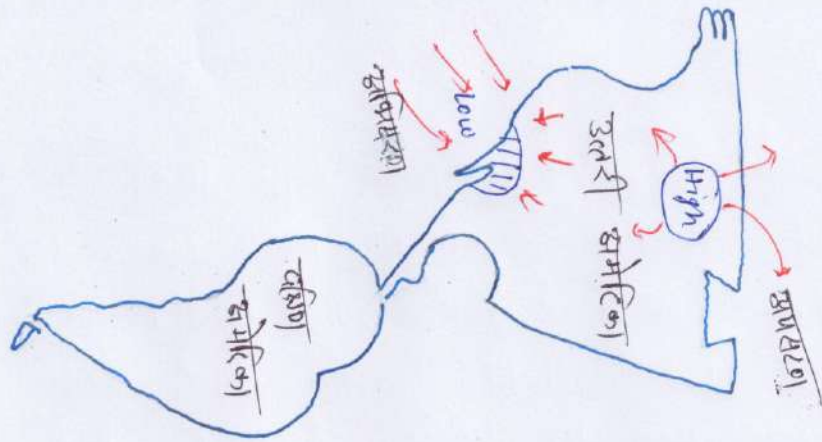


सैतिय दाबान्तर -



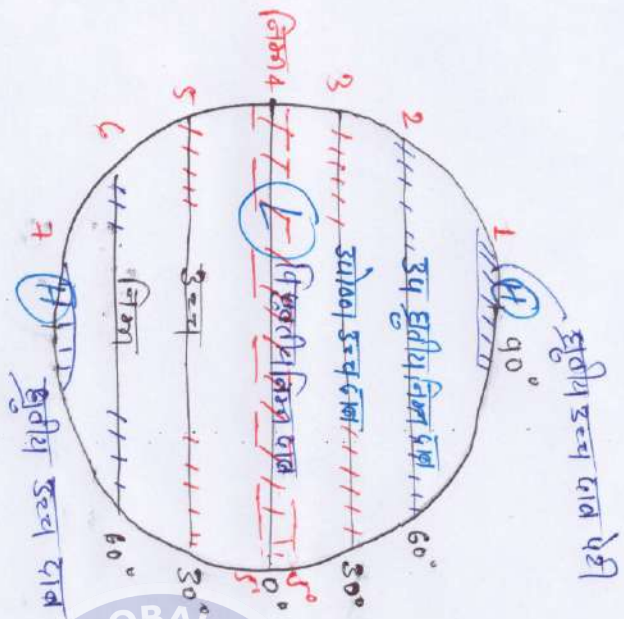


- पाल और स्थल का असमान वितरण होने के कारण पृथ्वी की सतह असमान रूप से गर्म होती है।
- सतह सदा उच्च वायुदाब क्षेत्र से निम्न वायुदाब क्षेत्र की ओर बहती है। इसके पीछे दाब प्रणता बल कार्य करता है।
- निम्न दाब के क्षेत्र अभिसरण के क्षेत्र होते हैं।
- उच्च दाब के क्षेत्र अपसरण के क्षेत्र होते हैं।

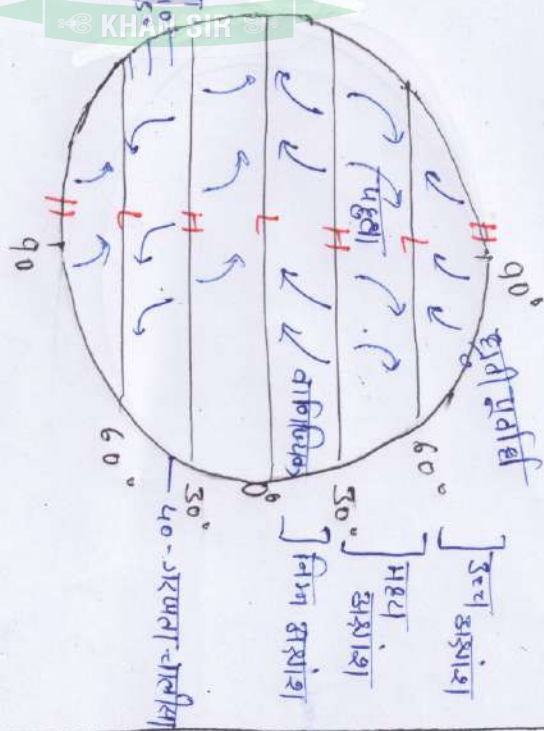


ભાયમંડલીય ઘાત પેટી વ પવન પેટી

૧-ઘાત પેટી



૨-પવન પેટી



कोरियोलिस बल -

किसी घूर्णन करने वाली / घूमती हुई वस्तु पर एक प्रभाव कार्य करता है, जो वहां चलने वाली वायु को विक्षिप्त कर देता है। यह उत्तरी गोलार्ध में दांये ओर और दक्षिणी गोलार्ध में मोड़ने का कार्य करता है, इसे कोरियोलिस बल / प्रभाव के नाम से जाना जाता है।

→ दक्षिणी गोलार्ध की पट्टवा ज्यादा तीव्र होती है।

→ शीत ऋतु में पट्टवा पर्वतों सबसे ज्यादा तेज चलती है।

→ गर्म और ठंडी हवा के मिलने से मह्य अक्षांशों में वाताग्र बनते हैं।

